J.P.S.

NH-16, Gangapada, Khordha

2025-26

प्रकरण – उपसर्ग और प्रत्यय

विपिन कुमार यादव

टी. जी. टी.
हिंदी विभाग

उपसर्ग
और
प्रत्यय

भाषा में शब्दों का बहुत महत्त्वपूर्ण स्थान होता है। हिंदी भाषा की शुद्धता उचित और सार्थक शब्दों पर आधारित है। शब्दों के माध्यम से ही भाषा स्पष्ट और सजीव बनती है। अत: भाषा के स्पष्ट रूप के लिए शब्दों का निर्माण कई प्रकार से किया जाता है।

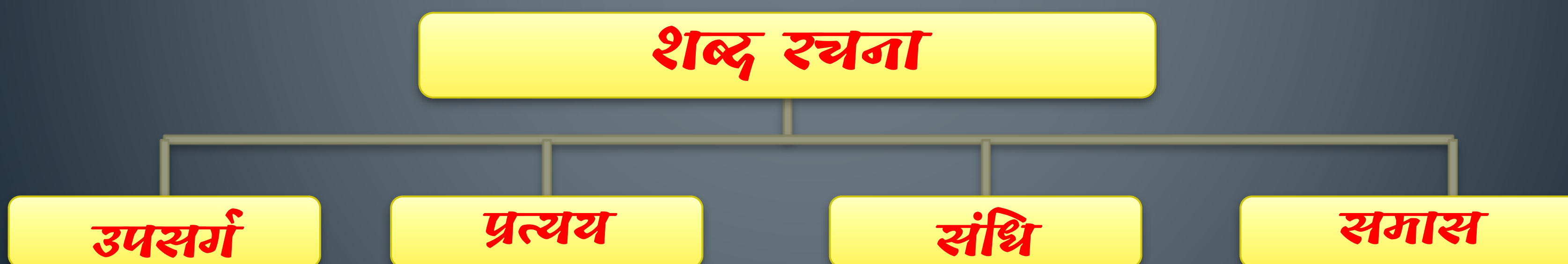

उपसर्ग

वे शब्दांश हैं जो किसी शब्द के आरंभ में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन करते हैं या विशेषता लाते हैं।

हार

उप + **हार**

उपहार

आ + **हार**

आहार

प्र + **हार**

प्रहार

समझने के लिए

शब्द भंडार में वृद्धि करने के लिए शब्दों और शब्दांशों के मेल से नवीन शब्द बनाए जाते हैं। अर्थात शब्द के आरंभ और अंत में शब्दांश जोड़ने से नवीन शब्दों की रचना की जा सकती है जैसे- देश शब्द से पहले प्र शब्दांश लगाने से प्रदेश शब्द और नेता शब्द से पहले अभि शब्दांश लगाने से अभिनेता शब्द बन जाते हैं। उसी प्रकार गुण शब्द के अंत में वान लगाने से गुणवान और मानव शब्द के अंत में ता शब्दांश लगाने से मानवता शब्द बन जाते हैं। अत: शब्दांश जुड़ने से उनके अर्थ में विशेषता या परिवर्तन आ जाता है।

कु पुत्र

स बल

वि शेष

लघु ता

पढ़ आई

हँसी ई

उपसर्ग के भेद

तत्सम-संस्कृत | तद्भव – हिंदी | उर्दू-फ़ारसी

वे शब्दांश जो संस्कृत भाषा से हैं, बिना किसी परिवर्तन के हिंदी भाषा में प्रयोग किए जाते हैं, उन्हें तत्सम अथवा संस्कृत उपसर्ग कहते हैं।

- तत्सम उपसर्ग तत्सम अथवा संस्कृत शब्दों के साथ जुड़ते हैं।

उपसर्ग	मूल शब्द	नया शब्द
अति	अंत	अत्यंत
अधि	कार	अधिकार
अनु	भव	अनुभव
अप	वाद	अपवाद
अभि	मान	अभिमान
अव	शेष	अवशेष
आ	चरण	आचरण

उपसर्ग के भेद

तद्भव – हिंदी | तत्सम-संस्कृत | उर्दू-फ़ारसी

वे शब्दांश जो संस्कृत भाषा से विकसित हुए हैं परन्तु हिंदी में कुछ परिवर्तनों के साथ प्रयुक्त होते हैं, उन्हें तत्भव उपसर्ग कहते हैं।

- तद्भव उपसर्ग तद्भव शब्दों शब्दों के साथ जुड़ते हैं।
- तद्भव उपसर्ग अक्सर बोलचाल की भाषा में दीखते हैं

उपसर्ग	मूल शब्द	नया शब्द
अ	छूत	अछूत
अध	पका	अधपका
नि	डर	निडर
पर	दादा	परदादा
भर	पेट	भरपेट
स	पूत	सपूत
अव/औ	गुण	अवगुण

उपसर्ग के भेद

- उर्दू-फ़ारसी
- तत्सम-संस्कृत
- तद्भव उपसर्ग

यह वे शब्दांश होते हैं जो उर्दू, अरबी या फ़ारसी भाषा से हिंदी में आए हैं और किसी शब्द के अर्थ को बदलने या विशेष बनाने के लिए प्रयोग होतें हैं।

उपसर्ग	मूल शब्द	नया शब्द
कम	अक्ल	कमअक्ल
ना	पसंद	नापसंद
बिला	वजह	बिलावजह
बे	अदब	बेअदब
सर	पंच	सरपंच
हम	उम्र	हमउम्र
ऐन	वक्त	ऐनवक्त

पुनरावृत्ति

उपसर्गों के प्रकार :

- हिंदी के उपसर्ग
- संस्कृत के उपसर्ग
- उर्दू के उपसर्ग

ध्यान देने योग्य बातें :

- उपसर्ग शब्दांश होते हैं और इनका प्रयोग शब्दांशों के रूप में होता है ।
- एक शब्दांश के प्रयोग से कई शब्द बनाए जा सकते हैं जैसे- अधर्म, अनीति, अनाथ, अज्ञान
- उपसर्ग का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं होता इन्हें स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं किया जाता।
- उपसर्ग, मूल शब्दों के आरंभ में लगकर उनका अर्थ बदल देते हैं जैसे- मान-अपमान, गुण-अवगुण, शांति-अशांति
- विशेष: उपसर्ग द्वारा विपरीत शब्दों का निर्माण।

उपसर्ग	अर्थ	उदाहरण
अ	नहीं, अभाव	अचल, अमर, अनाथ
अनु	पीछे	अनुमान, अनुकूल, अनुसार
अप	बुरा, हानि	अपशब्द, अपकार, अपमान
दुर्	बुरा, कठिन	दुर्गम, दुर्जन, दुर्घटना
नि	नीचे, निषेध	निपुण, निवास, नियम
अव	बुरा, नीचे, हीन	अवकाश, अवसर, अवमानना
परा	उल्टा, पीछे	पराधीन, पराजय, पराक्रम
वि	विशेष, अलग	विजय, विदेश, विचार
प्र	अधिक, आगे	प्रगति, प्रभाव, प्रकार
सु	अच्छा	सुपुत्र, सुगम, सुयोग

अभ्यासः

उपसर्गों से नए शब्द बनाइए-

अप	अपमान	अपहरण
दुर्	दुराचार	दुर्गंध
वि	विमान	विकास
अनु	अनुचर	अनुराग
प्र	प्रबल	प्रचार

मूल शब्द	उपसर्ग / मूल शब्द		शब्द
लोक	पर + लोक	=	परलोक
वेश	प्र + वेश	=	प्रवेश
मान	अप + मान	=	अपमान
बंध	प्र + बंध	=	प्रबंध
नीति	अ + नीति	=	अनीति
चित्र	वि + चित्र	=	विचित्र
शंका	आ + शंका	=	आशंका
मोल	अन् + मोल	=	अनमोल
भेद	वि + भेद	=	विभेद

प्रत्यय

वे शब्दांश हैं जो किसी शब्द के अंत में जुड़कर उसके अर्थ में परिवर्तन करते हैं या विशेषता लाते हैं। अर्थात नवीन शब्द का निर्माण करते हैं, उन्हें प्रत्यय कहते हैं।

सब्ज़ी + वाला

सब्ज़ीवाला

खेत + ई

खेती

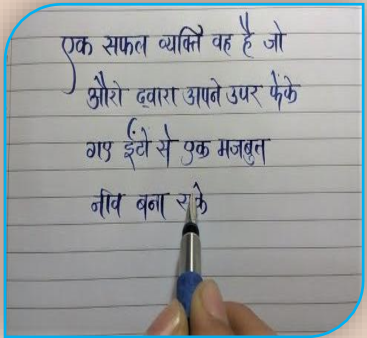

लिख+आवट

लिखावट

बच्चा + पन

बचपन

चढ़ + आई

चढ़ाई

गरम+आहट

गरमाहट

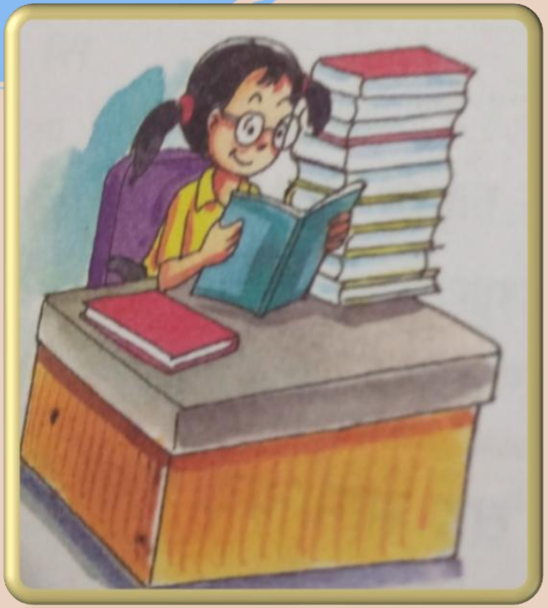

रीता पढ़ाकू है। दुकानदार दालों में मिलावट कर रहा है। देखो, वहाँ लड़ाई हो रही है।

पढ़ + आकू

दुकान + दार

मिल+आवट

लड़+आई

मूल शब्द : पढ़, दुकान, मिल, लड़

प्रत्यय : आकू, दार, आवट, आई

अभ्यास

प्रत्यय	मूल शब्द	निर्मित शब्द
वाला	रख, पढ़, देख	रखवाला, पढ़नेवाला, देखनेवाला
आहट	कड़वा, घबरा, चिकना	कड़वाहट, घबराहट, चिकनाहट
पन	अपना, लड़का, बच्चा	अपनापन, लड़कपन, बचपन
आवट	बन, दिख, सज	बनावट, दिखावट, सजावट
ता	मनुष्य, लघु, मानव	मनुष्यता, लघुता, मानवता
इक	धर्म, दिन, समाज	धार्मिक, दैनिक, सामाजिक
दार	जान, समझ, ज़मीन	जानदार, समझदार, ज़मींदार
ई	पंजाब, गरम, जंगल	पंजाबी, गरमी, जंगली
आई	लिख, सुन, पढ़	लिखाई, सुनाई, पढ़ाई
त्व	प्रभु, मम, देव	प्रभुत्व, ममत्व, देवत्व

मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए-

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
मासिक	मास	इक
गरीबी	गरीब	ई
वार्षिक	वर्ष	इक
प्रभुत्व	प्रभु	त्व
चिकना	चिकना	आहट

मूल शब्द और प्रत्यय अलग कीजिए-

सजावट आवट

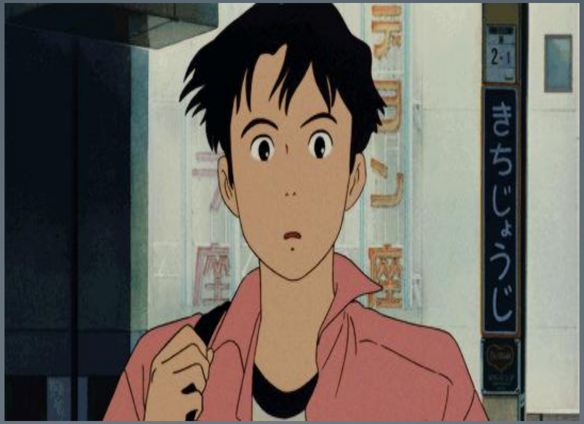

घबराहट आहट

लड़कपन पन

ममत्व त्व

लिखाई आई

धार्मिक इक

गरीबी ई

ध्यान देने योग्य बातें :

- उपसर्ग की तरह प्रत्यय भी शब्दांश होते हैं। दोनों में केवल इतना अंतर है कि उपसर्ग शब्द के आरंभ में लगाए जाते हैं और प्रत्यय शब्द के अंत में।
- प्रत्यय शब्दांश होते हैं और इनका प्रयोग शब्दांशों के रूप में होता है।
- प्रत्यय शब्दांश का अपना कोई स्वतंत्र अस्तित्व नहीं होता, इन्हें स्वतंत्र रूप से प्रयोग नहीं किया जाता।
- प्रत्यय, मूल शब्दों के अंत में लगकर उनके अर्थ में विशेषता व परिवर्तन लाते हैं।

अभ्यास: प्रत्यय अलग कीजिए-

शब्द	मूल शब्द	प्रत्यय
मिठाईवाला	मिठाई	वाला
लड़कपन	लड़का	पन
रूकावट	रूक	आवट
घबराहट	घबरा	आहट
कमाई	कम	आई
धार्मिक	धर्म	इक
बहता	बह	ता
प्रभुत्व	प्रभु	त्व
ईमानदार	ईमान	दार
कामयाबी	कामयाब	ई

अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1: 'अनुशासन' शब्द में कौन-सा उपसर्ग है?

A. अनु
B. शा
C. स
D. न

धन्यवाद